प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **16 जुलाई / July, 2021**

सिडबी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020 की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 3.6% बढ़ा

SIDBI net profit up 3.6% in FY 2021 compared with FY 2020

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के एकीकृत वित्तपोषण और विकासपरक सहायता का पारितंत्र बनाने में संलग्न एक अखिल भारतीय विकास वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की 23वीं वार्षिक आम बैठक में 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष के वित्तीय परिणाम घोषित किए गए।

In the 23rd Annual General Meeting of Small Industries Development Bank of India (SIDBI), an all India Development Financial Institution, engaged in creating an integrated credit and development support ecosystem for Indian Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), the financial results for the year ended March 31, 2021 were declared.

वित्तीय वर्ष 2021 बनाम वित्तीय वर्ष 2020

Financial Year 2021 vs Financial Year 2020

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में वित्त वर्ष 2020 की तुलना में परिचालनगत लाभ (प्रावधान से पहले) रु. 4,063 करोड़ रहा इस प्रकार इसमें 8.0% की वर्ष-प्रति-वर्ष वृद्धि दर्ज की गयी।
- ✓ Operating profit (before provision) recorded a Year-on-Year (YoY) growth of 8.0% in FY21 over FY20 to Rs. 4,063 crore.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में वित्त वर्ष 2020 की तुलना में निवल लाभ में 3.6% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई और यह वित्त वर्ष 2021 में बढ़ कर रु. 2,398 करोड़ हुआ जहां वित्त वर्ष 2020 में यह रु. 2,315 करोड़ था।
- ✓ Net profit recorded a growth of 3.6% to Rs. 2,398 crore in FY21, from Rs. 2,315 crore in FY20.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में निवल ब्याज आय (एनआईआई) 11.5% की वृद्धि के साथ रु.3678 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2020 में यह रु.3299 करोड़ था।
- ✓ Interest Income (NII) grew by 11.5% to Rs. 3,678 crore in FY21, from Rs. 3,299 crore in FY20.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में गैर-ब्याज आय मामूली रूप से घटकर रु.944 करोड़ रुपए रही, जबकि वित्त 2020 में यह रु.1,069 करोड़ थी।
- ✓ Non-interest income marginally decreased to Rs. 944 crore in FY21 from Rs. 1,069 crore in FY20.

- ✓ यथा 31 मार्च, 2021 को कुल ऋण-अग्रिम 5.6% (वर्ष-प्रति-वर्ष) की मामूली गिरावट के साथ रु.1,56,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि यथा 31 मार्च, 2020 तक यह रु.165,422 करोड़ था।
- ✓ Total advances marginally declined by 5.6% (YoY) to Rs. 1,56,233 crore as of March 31, 2021, from Rs. 165,422 crore as of March 31, 2020.

<u>आस्ति गुणवत्ता Asset Quality</u>

- ✓ 31 मार्च, 2021 को सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (जीएनपीए) के अनुपात में 45 आधार बिन्दुओं की कमी आई, जो 0.63% से घटकर 0.18% हो गया और निवल गैर-निष्पादित आस्तियों के अनुपात में 28 आधार बिन्दुओं की कमी हुई और यह 0.40% से घटकर 0.12% हो गया।
- ✓ Gross Non-Performing Assets (GNPA) ratio decreased by 45 bps from 0.63% to 0.18%, and Net NPA (NNPA) ratio decreased by 28 bps from 0.40% to 0.12%, as on March 31, 2021.

- ✓ 31 मार्च, 2021 को प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 93.24% रहा, जो कि मार्च 2020 के स्तर से 14.89% ऊपर है।
- ✓ Provision Coverage Ratio (PCR) was at 93.24% as on March 31, 2021, an improvement of 14.89% from March 2020 level.

<u>आस्ति गुणवत्ता तालिका / Asset Quality – Table</u>

	सकल एनपीए (%) Gross NPA (%)	निवल एनपीए (%) Net NPA (%)	पीसीआर (%) PCR (%)
वित्तवर्ष / FY20	0.63%	0.40%	78.35%
वित्तवर्ष / FY21	0.18%	0.12%	93.24%

सकल गैर निष्पादक आस्तियाँ यथा 31 मार्च, 2020 के रु.1,040.84 करोड़ से घटकर यथा 31 मार्च, 2021 को रु.282.31 करोड़ हो गईं, साथ ही इसी अवधि में निवल गैर निष्पादक आस्तियाँ भी रु.658.64 करोड़ से घटकर रु.185.25 करोड़ हो गईं।

Gross NPAs decreased from Rs. 1,040.84 crore as of March 31, 2020 to Rs. 282.31 crore as of March 31, 2021, while Net NPA decreased from Rs. 658.64 crore to Rs. 185.25 crore during the same period.

<u>मुख्य वित्तीय अनुपात / Key Financial Ratios</u>

- ✓ यथा 31 मार्च, 2021 को निवल ब्याज मार्जिन 10 आधार बिंदु बढ़कर 2.04% हो गया, जो कि 31 मार्च, 2020 को 1.94% था।
- ✓ Net interest margin increased by 10 bps to 2.04% as on March 31, 2021 from 1.94% as on March 31, 2020.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 के दौरान लागत और आय के अनुपात में 180 आधार अंकों का सुधार होकर यह 12.11% हो गया, जो कि वित्त वर्ष 2020 के दौरान 13.91% था।
- ✓ Cost to income ratio improved by 180 basis points to 12.11% during FY21 from 13.91% during FY20.

- ✓ यथा 31 मार्च, 2021 को पूंजी पर्याप्तता अनुपात 27.49% रहा, जबकि यथा 31 मार्च, 2020 को यह 26.62% था।
- ✓ Capital Adequacy Ratio as on March 31, 2021 stood at 27.49% as against 26.62% as on March 31, 2020.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में प्रति शेयर बही मूल्य बढ़कर रु.388.54 हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2020 में यह रु.339.13 था।
- ✓ Book Value per Share increased to Rs. 388.54 in FY 2021 as against Rs. 339.13 as on FY 2020.

- ✓ 31 मार्च, 2021 तक निवल मालियत बढ़कर रु.20,667 करोड़ हो गई, जबकि यथा 31 मार्च, 2020 तक यह रु.18,039 करोड़ थी।
- ✓ Networth increased to Rs. 20,667 crore as of March 31, 2021, from Rs. 18,039 crore as of March 31, 2020.

- ✓ वित्त वर्ष 2021 में प्रति शेयर आय में सुधार होकर यह रु.45.09 हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2020 में यह रु.43.51 थी।
- ✓ Earnings Per Share improve to Rs. 45.09 in FY 21 from Rs. 43.51 in FY 20.

==========

<u>लाभ-हानि खाते के ब्यौरे / Details of Profit and Loss account</u>

	समाप्त वर्ष के लिए/ Year ended (करोड़ रुपयों में / Rs. in crore)	
	वित्त/FY21	वित्त/FY20
1.ब्याज आय Interest income	10,221.36	11,020.94
2.अन्य आय Other income	944.27	1,069.36
3.कुल आय (1+2) Total income (1+2)	11,165.63	12,090.30
4.ब्याज व्यय Interest expenses	6,542.88	7,722.06
5.परिचालनगत व्यय / Operating expenses	560.00	607.46
6.परिचालनगत व्यय (प्रावधान से पूर्व) (3-4-5) Operating profit (before provision) (3-4-5)	4,062.75	3,760.78
7.कुल प्रावधान (निवल) और कर / Total provisions (net) and taxes	1,664.47	1,446.26
8.निवल लाभ (6-7) Net profit (6-7)	2,398.28	2,314.52

<u>श्री शिवसुब्रमणियन रमण, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सिडबी का उद्धरण:</u>

"सिडबी, कोविड-19 के कारण एमएसएमई क्षेत्र के सामने उत्पन्न हुई चुनौतियों के प्रति क्रियाशील रहा है। साझेदार ऋणदात्री संस्थाओं को भारत सरकार/ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से दिए जाने वाले निधि समर्थन को आगे प्रवाहित करने के अलावा, सिडबी ने एमएसएमई के पुनुरुज्जीवन और उन्हें फलने-फूलने में सीधे सक्षम बनाने के लिए सेफ, सेफप्लस, आरोग, और त्वरित जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं। एमएसएमई क्षेत्र की नई और बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए सिडबी ने अन्य बातों के साथ-साथ डिजिटल पोर्टलों के माध्यम से राष्ट्रीय मिशनों को सशक्त बनाने, एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए 11 राज्यों में परियोजना प्रबंधन इकाइयों की स्थापना करने, 7 राज्यों में 1700 महिला गृहस्वामियों का समर्थन करने तथा युवाओं / विस्थापित आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु 100 स्वावलंबन कनेक्ट केंद्र स्थापित करने और एमएसएमई के लिए स्वावलंबन आपदा प्रतिक्रिया कोष की स्थापना करने सहित अपनी

विकासोन्मुख आबद्धताओं को सतत जारी रखा है। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि अपने व्यवसाय संविभाग और लाभप्रदता दोनों को बढ़ाने के अलावा सिडबी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को लागू करने की कसौटी पर खरा उतरेगा और समावेशी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान जारी रखेगा।

Quote of Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director, SIDBI:

"SIDBI has been responsive to the COVID-19 challenges faced by the MSME sector. Besides channelizing the Government of India / Reserve Bank of India (RBI) support to partner lending institutions, SIDBI has launched several schemes like SAFE, SAFEPLUS, AROG, and TWARIT to directly enable MSMEs to revive and thrive. To respond to the emerging needs of the MSME sector, SIDBI continued with its developmental engagements including inter alia powering national missions through digital portals, setting up project management units in 11 states for strengthening the ecosystem, supporting 1700 Women Homepreneurs in 7 states, setting up 100 Swavalamban Connect Kendras to kindle the aspirations of youth / displaced population, as also setting up of Swavalamban Crisis Responsive Fund for MSMEs. I can assure you that besides growing its topline and bottomline, SIDBI shall rise to the occasion for implementing national priorities and continue to contribute to an inclusive AtmaNirbhar Bharat."

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों या उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

अधिक जानने के लिए वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ ।
To know more, check out: https://www.sidbi.in